चड़ियिाघरों के उन्नयन और वसि्तार की योजना

प्रलिम्सि के लयि

वन्यजीव सप्ताह, केंद्रीय चड़ियिाघर प्राधकिरण, वन्यजीव (संरक्षण) अधनियिम 1972

मेन्स के लयि

वन्यजीव संरक्षण संबंधी प्रयास, चड़ियिाघरों का महत्त्व और भारत में इनका प्रबंधन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने वन्यजीव सप्ताह, 2020 (Wildlife Week 2020) के अवसर पर आयोजति कार्यक्रम को संबोधति करते हुए कहा कि सिरकार सार्वजनकि-नजिी भागीदारी (PPP) के माध्यम से देश भर में 160 चड़ियिाघरों को बेहतर बनाने की दशिा में काम कर रही है।

प्रमुख बदिु

- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के सभी चड़ियिाघरों को बेहतर बनाने और उनका वकिास सुनशि्चति करने के लयि एक नई नीति बनाई जा रही है और आगामी बजट के दौरान इसके लयि धनराशआिवंटति की जाएगी।
- राज्य सरकारों, नगिमों, व्यवसायों और आम लोगों को इस इस योजना के प्रमुख तत्त्व के रूप में शामलि कयिा जाएगा। यह योजना आगंतुकों वशिेष रूप से छात्रों, बच्चों और आगामी पीढ़ी को वन्यजीव, प्रकृति और मनुष्यों के बीच तालमेल स्थापति करने में सहायता करेगी।
- इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने चड़ियिाघरों के अधकिारियों और कर्मचारियों को पशुओं के प्रबंधन और कल्याण की दशिा में कार्य करने के लयि प्रोत्साहति करते हुए 'प्राणी मति्र पुरस्कार' (Prani Mitra Awards) भी प्रदान कयिा।
    - यह पुरस्कार कुल चार श्रेणयिों में प्रदान कयिा गया जो एस प्रकार हैं- उत्कृष्ट नदिेशक/क्यूरेटर, उत्कृष्ट पशुचकिति्सा, उत्कृष्ट जीववजि्ञानी/शकि्षावदि और उत्कृष्ट पशु रक्षक।
    - 'प्राणी मति्र पुरस्कार' केंद्रीय चड़ियिाघर प्राधकिरण द्वारा स्थापति कयिा गया है, ताकि चिड़ियिाघर के अधकिारियों और कर्मचारियों को पशु प्रबंधन की दशिा में कार्य करने के लयि प्रोत्साहति कयिा जा सके।

वन्यजीव सप्ताह (Wildlife Week)

- भारत में प्रत्येक वर्ष अक्तूबर माह के पहले सप्ताह में वन्यजीव सप्ताह (Wildlife Week) मनाया जाता है। इस तरह के आयोजन का उद्देश्य पशु-पक्षयिों के संरक्षण को बढ़ावा देना है।
- वन्यजीव सप्ताह की शुरुआत सर्वप्रथम वर्ष 1952 में वन्यजीव संरक्षण के प्रतजिागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी।

चड़ियिाघर या ज़ूलॉजकिल पार्क

- वन्यजीव (संरक्षण) अधनियिम, 1972 की धारा 2 (39) के अनुसार, चड़ियिाघर या ज़ूलॉजकिल पार्क का अर्थ ऐसे कसिी प्रतष्ठिान से होता है, जहाँ जानवरों को आम जनता के लयि प्रदर्शनी हेतु रखा जाता है। साथ ही इन प्रतष्ठिानों का उपयोग लुप्तप्राय जानवरों के संरक्षण हेतु भी होता है।
- यद्यपविशि्व भर में चड़ियिाघरों की शुरुआत एक मनोरंजन केंद्र के रूप में की गई थी, कति्तु बीते कुछ दशकों में ये प्रतष्ठिान वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संबंधी शकि्षा के लयि महत्त्वपूर्ण केंद्रों के रूप में तब्दील हो गए हैं।
- **महत्त्व**
    - जानवरों के संरक्षण के अलावा, चड़ियिाघर जानवरों की दुर्लभ प्रजातयिों के संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाते हैं। देश के कई चड़ियिाघरों में बीमार, घायल और जंगली जानवरों की देखभाल की जाती है।

- चिड़ियाघर में जानवरों विशेष तौर पर घायल जानवरों के लिये विशेष सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं और इन जानवरों की देखभाल की जाती है।
- लुप्तप्राय प्रजातियों को संरक्षित कर देश और विदेश के चिड़ियाघर या ज़ूलॉजिकल पार्क भविष्य की पीढ़ी के लिये काफी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।
- जानवरों के व्यवहार, पोषण आवश्यकताओं और प्रजनन चक्र आदि को समझने के लिये चिड़ियाघर एक अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में कार्य करते हैं।

भारत में चिड़ियाघर या ज़ूलॉजिकल पार्क

- केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, देश भर में कुल 145 मान्यता प्राप्त चिड़ियाघर मौजूद हैं।
  - पश्चिम बंगाल के कोलकाता शहर में वर्ष 1854 में स्थापित संगमरमर पैलेस चिड़ियाघर वर्तमान में देश का सबसे पुराना चिड़ियाघर है।
- भारत में चिड़ियाघरों को वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुरूप प्रबंधित और राष्ट्रीय चिड़ियाघर नीति, 1998 के तहत निर्देशित किया जाता है।
- भारत सरकार ने देश में चिड़ियाघरों के कामकाज की देखरेख करने और बिना मान्यता वाले चिड़ियाघरों की स्थापना को रोकने के लिये वर्ष 1992 में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (CZA) की स्थापना की थी।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (CZA)

- केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण एक सांविधिक निकाय (Statutory Body) है जिसका मुख्य उद्देश्य भारत में जानवरों के रख-रखाव और स्वास्थ्य देखभाल के लिये न्यूनतम मानकों तथा मानदंडों को लागू करना है।
- केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की अध्यक्षता केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा की जाती है और इसमें कुल 10 सदस्य और एक सदस्य सचिव शामिल होता है।
- इस प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण में राष्ट्रीय प्रयास को और अधिक मज़बूती प्रदान करना है।

स्रोत: पी.आई.बी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/government-chalking-out-a-plan-for-up-gradation-and-expansion-of-zoos